नैक द्वारा 'बी' ग्रेड प्रत्यायित

महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय

जंगल धूसड़- गोरखपुर

मो. : 7897475917, 9794299451

Website: www.mpm.edu.in
E-mail : mpmpg5@gmail.com

स्थापित २००५ ई.

पत्रांक : .....

दिनांक : 24.10.2018

प्रकाशनार्थ

महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़ में संयुक्त राष्ट्रसंघ स्थापना दिवस के अवसर पर **प्रार्थना सभा में आयोजित कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना** के प्रभारी डॉ. यशवंत राव ने सम्बोधित करते हुए कहा कि संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना विश्व शान्ति हेतु अर्न्तराष्ट्रीय संघर्षो में हस्तक्षेप करने के उद्देश्य से द्वितीय विश्वयुद्ध के महत्वपूर्ण राष्ट्रों ने की थी। संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना 24 अक्टूबर 1945 को संयुक्त राष्ट्र अधिकार पत्र पर 50 देशों के हस्ताक्षर होने के साथ हुई। संयुक्त राष्ट्र संघ अन्तर्राष्ट्रीय सुरक्षा, आर्थिक विकास, सामाजिक प्रगति, मानवाधिकार और विश्वशान्ति के लिए कार्यरत है। उन्होने कहा कि द्वितीय विश्वयुद्ध के प्रमुख राष्ट्र युद्ध के भयंकर त्रासदी से विश्व को बचाने के लिए संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना की। वे चाहते थे कि भविष्य में फिर कभी द्वितीय विश्वयुद्ध जैसी स्थिति न उभरे। संयुक्त राष्ट्र की संरचना में अमेरिका, फ्रांस, रूस तथा ब्रिटेन ने अहम भूमिका निभाई। वर्तमान में कुल 193 देश संयुक्त राष्ट्र के सदस्य हैं। डॉ. यशवन्त राव ने कहा कि प्रथम विश्व प्रथम विश्वयुद्ध के बाद 1929 में राष्ट्र संघ का गठन किया गया था परन्तु यह काफी हद तक प्रभावहीन साबित हुआ द्वितीय विश्वयुद्ध के पश्चात इसकी जगह संयुक्त राष्ट्र संघ ने ले ली। डॉ. राव ने कहा कि द्वितीय विश्व युद्ध के भीषण नरसंहार के बाद संयुक्त राष्ट्र ने मानव अधिकारों को बहुत आवश्यक समझा तथा 1948 की साधारण सभा में मानव अधिकारों की सर्वभौम घोषणा को स्वीकृत किया तथा 15 मार्च 2006 को संयुक्त राष्ट्र संघ इसी प्रकार के अनेक सृजनात्मक कार्यो में संलग्न है जिसमें महिला समानता, शांतिरक्षा, स्वास्थ्य, खाद्य कार्यक्रम औद्योगिक विकास, कृषि विकास जैसे महत्वपूर्ण अर्न्तराष्ट्रीय मुद्दे सम्मिलित है। कार्यक्रम में डॉ. अभिषेक सिंह, डॉ. रमाकान्त दूबे, डॉ. अविनाश प्रताप सिंह, डॉ. विजय चौधरी, डॉ. आर.एन. सिंह, डॉ. सौरभ सिंह, श्री नन्दन शर्मा, डॉ. अभिषेक वर्मा, डॉ. कुसुमलता, श्री प्रतीक दास, सुश्री अंजली सिंह सहित शिक्षक व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

अन्य कार्यक्रम **'रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग द्वारा 'संयुक्त राष्ट्र स्थापना दिवस'** विषय पर **आयोजित कार्यक्रम में व्याख्यान देते हुए** राजनीतिशास्त्र विभाग के प्रवक्ता डॉ. कृष्ण कुमार पाठक ने कहा कि द्वितीय विश्वयुद्ध की विभीषिका को देखकर अन्तर्राष्ट्रीय समुदाय द्वारा यह प्रयास किया जाने लगा कि इस युद्ध की शीघ्र समाप्त किया जाये तथा ऐसी व्यवस्था बनायी जाये कि पुनः इस तरह के युद्ध न हो। इसी प्रयास में 24 अक्टूबर 1945 को संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थापना की गयी। इसके घोषणापत्र की प्रस्तावना में कहा गया है कि 'हम संयुक्त राष्ट्र के लोग आने वाली पीढ़ियों को युद्ध की विभीषिका से बचाने का संकल्प लेते है। ''इस घोषणा पत्र में सामाजिक समानता और स्वतंत्रता पर विशेष बल दिया गया। और स्वतंत्रता को स्थापित नहीं किया जायेगा तब तक विश्व में शांति और सुरक्षा स्थापित नहीं की जा सकती। अपने स्थापना काल से संयुक्त राष्ट्र संघ अंतराष्ट्रीय शांति एवं सुरक्षा के लिए सदैव प्रयासरत रहा है परन्तु यह समय–समय पर विश्व की बड़ी शक्तियों के हाथ की कठपुठली भी बना रहा। इसमें सर्वाधिक हस्तक्षेप अमेरिका का रहा है। इसके स्थापना काल से अब तक वैश्विक समीकरण में अनेको बदलाव हो चुके है इसलिए संयुक्त राष्ट्र संघ की संरचना और उसके उद्देश्य में व्यापक बदलाव की आवश्यकता है। संचालन डॉ. अभिषेक सिंह एवं आभार ज्ञापन डॉ. रामाकान्त दूबे ने किया। कार्यक्रम में शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

(डॉ. राजेश शुक्ला)
सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी